बुलैटिन क्र 13/2018

कृषि मौसम परामर्श बुलेटिन
राज्य : मध्य प्रदेश
Agrometeorological Advisory Bulletin
State : Madhya Pradesh

वैधता– 14 फरवरी 2018 से 18 फरवरी 2018 तक

period :– 14.02.2018 to 18.02.2018

Next Update : 16.02.18
अगला नवीनीकरण : 16.02.18

जारी करने का दिन मंगलवार, 13 फरवरी 2018

Issued on TUESDAY, 13th FEBRUARY 2018

द्वारा : भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम केन्द्र, भोपाल

Issued by : Meteorological Centre Bhopal

सौजन्य से

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
राजमाता विजयाराजेय सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर
तथा
कृषि विभाग ,मध्य प्रदेश शासन ,भोपाल

In collaboration with
JNKVV, Jabalpur, RVSKVV,Gwalior
and
Department of Farmers' Welfare and Agricultural Development, Bhopal, M.P.

Met Sub-divisions of the State

For Meteorological purposes, the State has been divided into two sub divisions

East M.P. consisting of Jabalpur, Satna, Panna, Seoni, Rewa, Sidhi, Katni, Annuppur, Singrauli, Balaghat, Umaria, Mandla, Dindori, Shahdol, Tikamgarh, Chhatarpur ,Chhindwara , Damoh ,Sagar, and Narsighpur districts

West M.P. consisting of Bhopal, Sehore, Raisen, Vidisha ,Hoshangabad, Harda, Morena, Bhind,Gwalior, Shivpuri, Guna, Sheopur, Ashoknagar, Jhabua, Alirajpur,Dhar, Datia, Ujjain, Indore, Mandsaur, Ratlam, Shajapur, Rajgarh, Dewas, Nimach, Khargone, Khandwa, Barwani, Burhanpur and Betul districts

Agro-climatic Zone of Madhya Pradesh

S. No.	Agroclimatic Zones	Districts	Agromet Field Units (AMFU)
1.	Kymore plateau & Satpura Hills	Jabalpur,Satna, Panna, Seoni, Rewa, Sidhi, Katni, Annuppur, Singrauli, Balaghat, Umaria, Mandla,Dindori, Shahdol	Jabalpur
2.	Vindhyan Plateau	Sagar, Damoh, Bhopal, Sehore, Raisen, Vidisha	Sehore
3.	Central Narmada	Narshinghpur, Hoshangabad,	Powarkheda
4.	Gird	Morena,Bhind,Gwalior, Shivpuri, Guna Sheopur, Ashoknagar	Morena
5.	Jhabua hills	Jhabua,Alirajpur,Dhar	Jhabua
6.	Bundelkhand	Datia, Tikamgarh, Chhatarpur	Tikamgarh
7.	Satpura Plateau	Betul and Chhindwara	Chhindwara
8.	Malwa Plateau	Ujjain, Indore, Mandsaur, Ratlam, Shajapur, Rajgarh, Dewas, Nimach	Indore
9.	Nimar Valley	Khargone,Khandwa,Barwani,Burhanpur,Harda	Khargone

Weather Summary for the period from 09.02.2018 to 12.02.2018

The cyclonic circulation extended upto 0.9 km amsl over South West Madhya Pradesh & adjoining area became less marked on 09th.

The induced cyclonic circulation extended upto 0.9 km amsl lay over West Rajasthan & adjoining area on 09th, persisted on 10th , shifted over South

Pakistan & adjoining West Rajasthan extended upto 2.1 km amsl on 11th and shifted over West Rajasthan & neighbourhood extended upto 0.9 km amsl on 12th.

Another cyclonic circulation lay over Marathwada & neighbourhood extended upto 0.9 km amsl on 12th.

Highest Maximum Temperature:– 31°C was recorded at Khandwa, Khargone & Seoni on 09th & 10th, at Khandwa, Khargone & Dhar on 11th and at Khandwa on 12th.

Lowest Minimum Temperature:– 05°C was recorded at Gwalior on 09th.

Rainfall:- 3 cm recorded at Multai district Betul on 12th.

Rainfall occurred at most places over East M.P. on 12th; at few places over West M.P. on 12th; at isolated places over West M.P. on 11th and remained dry or mainly dry over rest of the State during remaining period.

Day Temperatures were normal over the State.

Night Temperatures were **02°C** above normal over North West M.P. and normal over rest of the State.

Current synoptic conditions:- The cyclonic circulation over Marathwada & neighbourhood extending upto 0.9 km amsl persists.

The induced cyclonic circulation extending upto 0.9 km above mean sea level over North East Rajasthan & neighbourhood persists.

Warning (for next 24 hrs):-

1. Likely chance of hailstorm at isolated places over Hoshangabad, Jabalpur & Shahdol divisions during next 24 hours.
2. Likely chance of Shallow to Moderate fog at few places over Gwalior, Chambal, Sagar, Rewa & Hoshangabad divisions in the morning hours.

Part-II:- Agroclimatic zonewise/ Agrometeorological Advisories

NIMAR VALLEY

फसल	सलाह
सब्जीयॉ / फल / फसलें	1. चने की इल्ली के नियंत्रण हेतू इण्डोक्साकार्ब अथवा इमामेक्टिन बेंन्जोऐट की 15 मिली मात्रा 15 लीटर पानी में घोलकर (200 मिली दवा / 200 लीटर पानी प्रति एकड़) छिडकाव करें। 2. प्याज एवं लहसुन में बेंगनी धब्बा एवं स्टेंम फायलम झुलसा की रोकथाम के लिए मेंकोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। 3. गर्मी की मूगंफली को बोने के पूर्व कार्वेन्डाजिम 1 ग्राम. 2 ग्राम थाइरम या 2 ग्राम विटावेक्स प्रति किलो बीज के हिसाब से बीजोपचार करकें ही बोयें। 4. किसान भाईयों की गेहूँ की फसल 80–85 दिन की हो गई हो वह चौथी सिंचाई अवश्य करें 5. ग्रीष्मकालीन मूंग / उड़द लगाने का उचित समय 15 फरवरी से 25 फरवरी तक होता है। मूंग की टीजेएम–3, व उड़द की शिखर–3 जातियों का चयन करें। बुआई से पूर्व बीज का उपचार थायरम 2 ग्राम. 1 ग्राम कार्वेन्डाजिम से अवश्य करें।
पशुपालन	1. पशुओं को प्रतिदिन नमक देना आवश्यक है। केड़ा / केड़ी को प्रतिदिन 2–3 चम्मच और गाय / भैंस को प्रतिदिन 4–5 चम्मच नमक देना चाहिए। इससे पशुओं की बढोतरी एवं प्रजनन शक्ति का विकास होता है। 2. पशुओं को किलनी एवं जूं से रक्षा हेतु मेलाथियान / क्लीनर / ब्यूटाक्स का 2 मिली / लीटर पानी में घोल कर उनके शरीर के ऊपर लगाएं। दवा लगाने के बाद पशुओं के मुंह पर मुशीका लगाएं।

JHABUA HILLS

आगामी पांच दिनो के लिये कृषि परामर्श :– जिले मे आसमान मे साफ बादल रहने तापमान सामान्य रहने व वर्षा नहीं होने की संभावना है इसे देखते हुए किसान भाई चना व सरसो फसल की सतत् निगरानी रखे कीट का प्रकोप बढने पर कीटनाशक दवा की अनुशंसित मात्रा का छिडकाव करें। चूहों के बिलों का निरीक्षण कर रोकथाम के उपाय करें। पूर्व मे बोए गए चना,सरसो की पककर तैयार फसल की कटाई समय पर करें।

फसल	कीट / व्याधि	कृषि कार्य परामर्श
गेंहूँ (दूधिया अवस्था / दाना भरना)	गेहूँ मे दीमक के नियंत्रण के लिए क्लोरोपायरीफॉस 20 ईसी दवा 3.5 ली / हें. की दर से छिडकाव करें।	85–95 दिन बाद (दाना भरते समय) सिंचाई करें। स्वयं का गेहूँ का बीज बनाने हेतु बिजातीय पौधे (असमान ऊचाई की बालियों के पौध) को खेत से उखाडकर अलग करें।
चना (दाना बनना)	चने की इल्ली की रोकथाम के लिये टी (ज) आकार की 2 से 2.5 फिट उॅचाई की 20 से 25 खूटियॉ एवं फोरोमेन ट्रैप 8 ट्रैप प्रति एकड लगाए। फसल की सतत् निगरानी रखे व प्रति मीटर 2 से 3 इल्ली होने पर प्रोफेनोफॉस 40ईसी +साइपर मेथ्रिन 4ईसी 1.5ली / हे. का छिडकाव करें।	पूर्व मे बोए गए चना की पककर तैयार फसल की कटाई समय पर करें।
सरसो (दाना बनना)	रसचूसक कीट के नियंत्रण के लिये इमिडाक्लोप्रिड या थायोमिथाक्सिम दवा 0.35–0.45 ग्राम / ली. की दर से छिडकाव करें।	पूर्व मे बोए गए सरसो की पककर तैयार फसल की कटाई समय पर करें।
फलबृक्ष	आम के बाग मे सिंचाई रोक दें। आम मे मिलीबग के नियंत्रण हेतु तने मे ग्रीस की पट्टिया लगायें व 250ग्रा. / पौधा फालीडाल चूर्ण का भूमि मे भुरकाव करें। नवीन रोपित बगीचों में मूलवृन्त से निकलने वाली शाखाओं की छटाई करें।	

सब्जियॉ	रसचूसक कीट के नियंत्रण के लिये इमिडाक्लोप्रिड या थायोमिथाक्सिम दवा 0.35–0.45 ग्राम/ली. की दर से छिडकाव करें। टमाटर, भिण्डी, मिर्च, बैगन आदि मे प्ररोह एवं फलछेदक इल्ली की रोकथाम के लिए ट्रायजोफास दवा 2.0 मिली/ली का छिडकाव करें।	भिण्डी, बैगन, हरी मटर, मेथी, पालक, मूली, एवं हरी मिर्च की समय पर तुडाई कर ग्रेडिंग कर बाजार मे बेचें। शीतकालीन सब्जियों जैसे– टमाटर, गोभी, पत्तागोभी, बैगन, मिर्च,ग्वारफली, शिमला मिर्च, अगेती आलू, हरी मटर, मेथी, पालक, मूली, गाजर, प्याज आदि की समय पर सिंचाई कर अनुशंसित उर्वरक की मात्रा दें। ग्रीष्मकालीन सब्जियों (कद्दूवर्गीय) एवं टमाटर, मिर्च, बैगन, गोभी आदि की पौध (नर्सरी) तैयार करें।
अदरक एवं हल्दी	अदरक की परिपक्व फसल की सिंचाई रोक दें व समय पर प्रकंद की खुदाई करें। लहसुन की समय पर सिंचाई कर अनुशंसित उर्वरक की मात्रा दें।	
पशु/पक्षी	मुर्गी व चूजों को ठण्ड से बचाव हेतु मुर्गीघर की खिडकियों को पर्दे से ढककर रखे कमरे का तापमान बनाए रखने हेतु रात मे बल्ब जलाकर या हीटर जलाकर ताप दें। मुर्गियों मे रानीखेत रोग से बचाव हेतु एफ–1 या लसोटा स्ट्रेन वैक्सीन के टीके लगवाए। पशुओं को कृमि विहीनीकरण हेतु दवा दें।	चारे हेतु बरसीम की फसल की समय पर कटाई करें कटाई उपरांत सिंचाई कर अनुशंसित उर्वरक की मात्रा दें। दुधारु पशुओं को हरा चारा 25 किलो प्रति पशु प्रति दिन व संतुलित आहार एवं मिनरल की आपूर्ति हेतू 35 से 40 ग्राम प्रति पशु के हिसाब से खुराक दे।

MALWA PLATEAU

फ़सल	अवस्था	सलाह
गेहूँ	गेहूँ फसल के लिए खेत की तैयारी	गेंहूँ की फसल में यदि दीमक का प्रकोप दिखाई दें, तो बचाव हेंतु किसान क्लोरपायरीफॉस 20 ई. सी. / 2. 0 ली. प्रति एकड 20 कि. ग्रा. बालू में मिलाकर खेत में भााम को छिडंक दें , और सिंचाई करें।
चना	वनस्पति अवस्था	चने की फसल में फली छेदक कीट के निगरानी हेतु फीरोमोन प्रपंश/3.4 प्रपंश प्रति एकडं उन खेतों में लगाए जहां पौधों में 10 . 15 : फूल खिले गयें हों।
फल	आम	किसान भाई इस मौसम मे आम के पौघो के ऊपर मिलीबग के बच्चे जमीन से निकलकर तनों पर चढ़ेगें , इस के बचाव के लिए बोर्डो मिक्चर का उपयोग करे एंव पौधों के आस पास की मिटटी की खुदाई करें जिससे उनके अंडें नश्ट हो जायेंगें।
सब्जियां और मसाले		
आलू/ मटर/ लहसुन	पौध अवस्था	• किसान भाई सब्जियों के खेत की निराई –गुडाई करकें खरपतवारों को निकाले । फसलों का निरिक्षण करते रहे (कीटो एंव बीमारीयों) और आव यक हो तो सिंचाई की व्यवस्था करें । • किसान भाई इस मौसम मे प्याज की रोपाई करें । पौधों को छोटी क्यारियों में रोपाई करें। रोपाई से 10–15 दिन पूर्व खेत मे 20–25 टन सडी गोबर की खाद डालें । 20 कि, ग्रा, नत्रजन, 60 –70 कि. ग्रा. फॉस्फोरस तथा 80–100 कि. ग्रा. पोटाश आखिरी जुताई में डालें। • प्याज की रोपी गई फसल का निरिक्षण करते रहें। एंव कीट थ्रिप्स फसल मे पाये जाने पर इमिडाक्लोप्रिड /0.5 मिली. /ली. पानी में किसी चिपकने वाले पदार्थ जैसे टीपोल आदि (1.0 ग्रा. प्रति लीटर घोल) में मिलाकर छिडकाव करें। • तपमान को मध्यनजर रखते हुए किसानो को यह सलाह दी जाती है कि कद्दूवरर्गीय सब्जियो जैसे मिर्च ,टमाटर ,बैगन आदि की बूवाई करे।
पशुपालन		

बारसीम	किसान इस मौसम में बरसीम की बुवाई कर सकते हैं। बरसीम की उन्नत किस्में- वरदान, बुंदेल बरसीम-1, जे.बी.-3. बीज दर–बरसीम- 25-30 कि.ग्रा. प्रति हैक्टर।
पशुपालन	• रात में ठंड से मवेशियों को सुरक्षित रखें। दिन के समय पर सूरज की रोशनी में पशुओ को बाँध। • पशुओ को साफ एवं ताजा पानी दिन मे दो बार दे, साथ ही साथ हरे चारा दे। बाहरी परजीवी से बचाव के लिए ब्यूटोक्स का उपयोग करे। पशु शाला की नियमित सफाई करे 1 लीटर पानी मे 5 मिली फिनायल मिलाकर फर्श की सफाई करे।
मुर्गी पालन	मुरगियों मे रानी खेत बीमारी के नियंत्रण के लिए टीका लगवाए चूजो को 7 दिन की अवस्था पर टीकाकरन करे। मुर्गे एवं मुरगियों मो मिनरल मिक्सचर तथा साफ एवं ताजा पानी दे।
बकरी पालन	बकरियो मे पी पी आर रोग के नियंत्रण के लिए टीका लगवाए तेज धूप से बकरियो की सुरक्षा करे,बकरियो को हारा चारा साफ पानी एवं सूखे स्थान मे बांधे एवं परजीवी से बचाव के उपाय करे साफ एवं ताजा पानी दिन मे तीन बार दे, साथ ही साथ हरे चारा दे।

BUNDELKHAND

सामान्य सलाह	आनेवाले 5 दिनों के दौरान आसमान साफ रहने तथा मौसम आमतौर पर शुष्क रहने की सम्भावना है। दिन के अधिकतम तापमान में 3-5 डि.से. की वृद्धि तथा रात के न्यूनतम तापमान में 2 3 डि.से. की गिरावट रहने की संभावना हैं। हवा की औसत गति 06 से 07 किलोमीटर प्रति घंटा रहने की संभावना हैं। आनेवाले 5 दिनों के दौरान आसमान साफ रहने तथा मौसम आमतौर पर शुष्क रहने की सम्भावना को देखते हुए, किसान भाई तैयार फसलों (मटर, चना, मसूर तथा सरसों इत्यादि) की कटाई का कार्य करें तथा उसे सुरक्षित स्थानों में रखें।		
मुख्य फसलें	**फसलों की अवस्था**	**मुख्य रोग एव् कीट**	**मौसम आधारित सलाह**
चना	पकने/कटने	चने की इल्ली	चने की फसल में फलछेदक कीट (इल्लियों) की सक्रियता में वृद्धि हो सकती है। अत: किसान भाई फसल का निरीक्षण करते रहें तथा एक पौधे पर जब 2 से 3 इल्लियां दिखाई देने लगे तो इसके नियत्रण हेतु फ्लूबेंडीमाइट 39.35% एस.सी. दवा की 100 ग्राम मात्रा प्रति हेक्टेयर के हिसाब से छिड़काव करें।
फल, फूल और सब्जियाँ:-			
भिंड़ी	बुबाई		बिगत सप्ताह में हुई बर्षा तथा बर्षा से प्राप्त नमी को ध्यान में रखते हुए, किसान भाई भिंड़ी की उन्नत प्रजाति की बुआई करें तथा बुआई से पूर्व बीज को रातभर (12 से 14 घंटे तक) बाविस्टन के घोल में (2 मिलीमीटर प्रति लीटर पानी के घोल) भिगोकर रखें।
टमाटर तथा बैगन	फूलने व फलने	फल तथा तना छेदक	वर्तमान मौसम में टमाटर तथा बैगन में फल तथा तना छेदक कीट का प्रकोप देखा जा रहा है, इससे बचाव हेतु किसान भाई, मैलाथियान 50 ई.सी. दवा की 1 मिली लीटर दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
कद्दू ,लौकी , खीरा ,टिण्डा इत्यादि	-		बिगत सप्ताह में हुई बर्षा तथा बर्षा से प्राप्त नमी को ध्यान में रखते हुए, किसान भाई, बेलवाली सब्जियों जैसे कद्दू ,लौकी , खीरा ,टिण्डा इत्यादि की बुबाई का कार्य करें।
गैलाडिलियस तथा गेंदा	-		किसान भाई, गैलाडिलियस तथा गेंदा की फूलों की नर्सरी तैयार करें।

पशुधन	किसान भाई, दुघारु पशुओं (गाय तथा भेंसों) के आहार में संतुलित पशु आहार का समावेश करे, ताकि बदलते मौसम में दुग्ध उत्पादन प्रभावित न हो। बकरियों में पी.पी.आर.(पोकनी) रोग की रोकथाम हेतु टीकाकरण आवश्य करायें। वर्तमान मौसम में चुजों के रोगप्रतिरोधक क्षमता में कमी हो सकती है अतः उन्के आहार में एंटीबायोटिक मिलायें।

GIRD

सामान्य सलाह		संभावित मौसम पूर्वानुमान में छुटपुट से साफ बादल रहने व वर्शा नहीं होने के अनुमान को देखते हुए इस समय पकी हुई तोरिया की कटाई कर सुखाकर गहाई करें।	
		अवस्था	**सलाह**
मुख्य फसलें	गेंहू	बाली निकलने की अवस्था	गेंहू की फसल में दीमक दिखाई देने पर दीमक की बामियों को नश्ट करें तथा बामियों में ई.डी.बी. एम्प्यूल तोड कर डालें व गीली मिटटी से बन्द करें। तथा गेंहू में दीमक के बचाव हेतु 2.5 लीटर क्लोरोपायरीफास दवा प्रति हैक्टर सिंचाई के साथ दें।
	चना	फूल व फली बनने की अवस्था	चने की फसल की सतत निगरानी रखें। इस समय इल्ली की संम्भावना हो सकती है। इल्ली दिखाई देने पर (2 से 3 इल्ली प्रति मीटर) इसके नियंत्रण हेतु ज् आकार की खूंटी (वर्ड पर्चर) 50 प्रति हैक्टर लगावें। व आव यकतानुसार ट्राइजोफास 750 मिली दवा प्रति हैक्टर 500 से 600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिडकाव करें।
सब्जियां	टमाटर व बैंगन		संम्भावित मौसम पूर्वानुमान में टमाटर व बैंगन तना व फल छेदक कीट की संम्भावना हो सकती है अतः इसके नियंत्रण हेतु न्यूवाक्रोन 1.0 लीटर दवा प्रति हैक्टर 500 से 600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिडकाव करें।
	मिर्च, टमाटर व बैंगन		इस समय ग्रीष्मकालीन सब्जियां लगाने हेतु नर्सरी की तैयारी करें। तथा बीज को कार्बन्डाजिम एवं मिटटी को थाइरम से उपचारित कर नर्सरी डालें।
पशुपालन	गाय व भैंस		संम्भावित मौसम में पशुओं में इस समय बाह्य परजीवियों की संम्भावना हो सकती है अतः इनके बचाव हेतं ब्यूटाक्स नामक दवा को 1.0 लीटर पानी में 2.0 मिली दवा के अनुपात में मिलाकर पशुओं के भारीर पर सुरक्षात्मक तरीके से लगावें। इसके उपरांत पशु को एक घण्टे बाद नहलायें।

कृते निदेशक